निवृत्तेष्टसनातनाय । सुष्टुसुष्टु
प्रियाय । सुभ सुन्दरये । धनाकुला
य । निस्पृहपर्द्धि स्वरूपाय । विरूप
माय । उत्क्रमणाय । अमात्तसद्गुणाय ।
वसुरूपाय । गौरव्य । निष्कलुष
य । हृयाय सुरेन्द्राय । सद्भीमाय ।
मधराय । मधरीप्रियाय । धाम
गुरवे । सोम सुरवे । सुरप्रिय
कुलाय । रमणाय । रमसुखाय । म
हत्सुखाय । मचक्रवलभवनाय ।
इति श्रीशि ० ॰ ॰ इति शिवनाम
अष्टकम् : समाप्तः ॥ २ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नमः ॐ कीलकम्॥ पवन ऋषिः। त्रि
ष्टुप्छन्दः। दैवं विनियोगः॥ सिद्धकु
ञ्जिकीं टणदवलयगला। कुलदन्ति
ललाटहृत्सी। ली क्षुधं भवति मालिम
कामदा। ॐ ऋंलाम लिङ्गमामा। ॐ
हस्तमस्तकं धुल्पणाल्मलं धीरक
मेयं प्रामे। हे इच्छामममहि हिंडनका
मदमं। धन्यमं मन्त्र भाभि॥ नाम्बुर्द
प्राय विश्वाय ॐ। ॐ वाग्भवाय। भग
वे शुद्धाय। भागेन्द्र। भागद्युम्ने। भाग्ये।
दि भागप्र। भाग्ये हे डिभ। भाग्ये ड्रुपाय।
भाग्ये शिवाय। भाग्ये भवाय।
१० भाग्ये हृदयाय। भाग्ये सुनन्द॥

ਪਰਮੇਸ੍ਵਰਾਯ | ਪਰਮਾਤ੍ਮਾਯ | ਪਰਮੇਸ੍ਵਰਾਯ |
ਪਰਬ੍ਰਹ੍ਮਾਯ | ਪਰੋਮਯਾਯ | ਸਹਜਸ੍ਵਰੂਪਾਯ |
ਪਰਮਹੰਸਾਯ | ਪਰਗੁਰਵੇ | ਪਰਮਸ੍ਵਰੂਪਾਯ | ਨਿਰਾ
ਮਯਾਯ | ਨਿਰ੍ਵਿਕਾਰਾਯ | ਨਿਰ੍ਵਿਕਲ੍ਪਾਯ |
ਨਿਰਾਸ੍ਰਯਾਯ | ਨਿਰਾਤ੍ਮਨਾਯ | ਨਿਰਾਲੰਬਾ
ਯ | ਨਿਰ੍ਲੇਪਾਯ | ਨਿਰਾਵਰਣਾਯ | ਨਿਰ੍ਗੁਣਾ
ਯ | ਨਿਸ਼੍ਕਲਾਯ | ਸਨਾਤਨਾਯ | ਸਚ੍ਯਾਯ | ਸ੍ਵ
ਮਿਤ੍ਰਾਯ | ਸ੍ਵਸਲਾਯ | ਸ੍ਵਸ੍ਵਰੂਪਾਯ | ਸ੍ਵਤੀਰ੍ਥ
ਰਾਯ | ਸ੍ਵਮਿਤ੍ਰਾਯ | ਸ੍ਵਪਾਤ੍ਰਾਯ | ਸ੍ਵਨੀਮਾਯ |
ਸ੍ਵਰੂਪਾਯ | ਸ੍ਵਸ੍ਵਰੂਪਾਯ | ਭਵਰੂਪਾਯ | ਭਵ
ਨਾਯ | ਭਵਾਯ | ਭਵਰੂਪਾਯ | ਭਵਕਾਰਣਾ
ਯ | ਭਵਸਾਗਰਾਯ | ਭਵਸਾਗਰਾਯ | ਭਵਦੁ
ਖਹਰਾਯ | ਭਵਮੋਚਨਾਯ | ਭਵਸੰਕਟਾਯ | ਭਵ

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ नमः पराय | ऊर्ध्वाय | भवभंग्न
रूपाय | वामदेवेशमाय | भक्तप्रियाय |
भवनाशाय | कालाय | भव चैतन्यरूपा
य | ब्रह्मरूपाय | भवनाशाय | भद्रकेशा
य | रुद्ररूपाय | प्रलयकराय | त्र्यम्बका
य | बहुरूपाय | विश्वभैरवाय | भद्र
मायाय | विरूपाक्षाय | परमात्मरूपाय |
भूतकर्त्रे | भवरूपाय | नन्दीशी
लाय | भवकृते वरदाय | प्रति
ष्ठाय | भवलोकाय | हृषीकेशाय ||
भगवते | निग्रहानुग्रहिणे |
ॐ भवाय | परमाय | भवनिर्मलाय |
रूपाय | परमेश्वराय | भवकृते

शि
म
३

ॐ नमो ब्रह्मण्याय। ॐ नमो हुत्रे। ॐ नमो द्विजे। ॐ
नमो देवे। ॐ नमो मन्त्रे। ॐ नमो हरये। ॐ नमो वि
ष्णवे। ॐ नमो लोकनाथाय श्रीदाय। नमो देव
शिने। ॐ नमो ऽनन्ताय। ॐ नमो ब्रह्मरूपा
य। ॐ नमो विष्णुरूपाय। ॐ नमो गरुड।
ॐ नमो शेषशायिने। ॐ नमो पद्मनाभाय ह्रद
यनिवासाय। ॐ नमो पीताम्बराय॥
ॐ नमो श्रीवत्साय। ॐ नमो कौस्तुभाय। ॐ नमो
वैकुण्ठाय। ॐ नमो सर्वकामाय।
यज्ञभुजे। यज्ञपालनाय। यज्ञ
साय। यज्ञसाधनाय। यज्ञहरे। य
ज्ञाङ्गाय। वनमालिने। कुण्डलि
ने। लक्ष्मीप्रियाय ॥ १०० ॥

वि
म
८

ॐ यं [illegible] त्रि [illegible]ः नमस्ते भवे ।
[illegible] यज्ञ[illegible] । [illegible] नमः
[illegible] भवं [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] विनाश[illegible] ।
[illegible] । [illegible] ॥ ॥ ॥
त्रिलोकनाथनाय । विश्वलोचन
य । नमस्ते त्रिकाय । भव [illegible] ।
भव [illegible] पालकाय । नमस्
लोकैक[illegible]य । नमस्ते [illegible]
नाय । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible]य । [illegible]
हे । नमः शिवाय । पञ्चपालाय ॥

॥ १०० ॥

ॐ यं ब्रह्मवेदान्तविदो वदन्ति ।
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] विनाश[illegible]
[illegible] ॥१॥
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ॥

[illegible]ध्वजाय। [illegible]
भव[illegible]य। [illegible]य। [illegible]
[illegible]धनाय। [illegible]कीर्तये। निः[illegible]
[illegible]य। भव[illegible]लाय। [illegible]
[illegible]य। [illegible]कोटि[illegible]
य। [illegible]कोटि[illegible]। [illegible]। वायुकोटि
[illegible]लाय। कोटि[illegible]
[illegible]। [illegible]कोटि[illegible]य। [illegible]
कोटिलक्ष्मी[illegible]। [illegible]कोटि[illegible]
भव[illegible]। [illegible]कोटि[illegible]य।
[illegible]कोटि[illegible]नाय। [illegible]
कोटि[illegible]नीय। [illegible]कोटि[illegible]

वि म [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

निर्गुणाय। नाकान्तकाय। नीनाना
[illegible]काय। विश्वकृद्भवनायक
य। [illegible]रूपाय कृष्णाय। [illegible]पाल
व। [illegible]नाम्नरूपाय। योगीन्द्राय॥
[illegible]नीलाय। [illegible]रूपाय। विश्वलि
ङ्गाय। [illegible]रूपाय। विश्वगर्भ।
[illegible]पति[illegible]धाय। [illegible]
[illegible]रूपाय। [illegible]
[illegible]गाय। [illegible]रूपाय। विश्व[illegible]
[illegible]भवद्भवगणाय। [illegible]व।
[illegible]व। [illegible]राय। विश्वप्रभु
रूपाय। विभवाय। [illegible]पिल

[illegible]

ज्ये। [illegible]। महेशाय। [illegible]
विशुद्धाय। मातृकाय। [illegible]। नि
परिस्तुलविशुं भिन्ने। श्रीकण्ठैक
[illegible]।। नाथाय। नन्दाय। रु
द्राय। पद्मनन्दनाय। पद्मलोचना
य। [illegible]। भवभद्राय। भवशी
[illegible]। त्रिकाललिङ्ग [illegible]
य। [illegible]। [illegible]।
उग्राय। कवचाय। जयाधीशाय॥
भवकाणीश्वरीश्वराय। भवदेव
भूपाय। [illegible]। वागीश्व
रीपूज्य। [illegible]
य। [illegible]।

वि
म
५

[illegible]

[illegible]

मापभगाय । त्रिगुणकल्पषघ्ना
ने । कलमङ्कदृ भञ्जये । रुद्र
वाहनाय । नमः नमो नतयनाम
नाय । भवविध्वंसकाय । भवभि
क्षुणाय । भवध्वंसकाय । नमोस्तु पा
दपाणिने । विष्णुमहागौरिरूपा
य । त्रिविक्रमाय । गङ्गाधराय । क
लंकितकण्ठाय । सूर्यगणस्तु
पिनाके । धनुरूपधृक् गालित
य । नमो दिगम्बरपिनाकिने । सर्वतु
वि दृश्याय । महादेवाय । दक्षयज्ञमि
५ ०० दं : धर्मिने । विष्णुलिङ्गरूप

[illegible]

स्मरान्तकपकृतकाय । व्रतनुत्पायुधसे
स्क्राय । चन्द्रभिक्राय । वीरकृदलिङ्ग ।
योगिनीमन्त्रपूजिमाय । मन्त्रेरि
पशुभेदभवले । महराय । नागाय ।
ऋग्य भैरवक्षमहाराजवाहनाय ।
भक्षकुपप्रियवरे । मधुमतिम
दधूपुले । कुलभीवलशक्य । वी
राय । धर्मामराय । भ्रपिलवु
माय । भक्त प्रियाय । प्रियानुग
य । ठावेककपालधृते । प्रि ली
मन्त्रहराय । मनु प्रिहृभरुनत्त
पाराय । गौरीभर्तृसुरराय ।।
भाग्यपनिरोधे । भाग्याठ्यापराय ।

वि
म
०९

मुद्गलऋषिः । ॐ कृतोधिः । निच
द्गायत्रीछन्दः । गं बीजं । शक्तिः ।
कृं कीलकम् । ह्रीं ॥
विनियोगः । ध्यानं
ये [illegible] ॥ [illegible] ।
ॐ [illegible]ाय । ॐ प्रमुखाय । ॐ
गणाय । ॐ क्षिप्राय । ॐ [illegible]ाय ।
ॐ धूम्रकेतवे । ॐ [illegible]ाय । ॐ [illegible]
कृय । ॐ [illegible]य । ॐ [illegible]य । ॐ अ
[illegible]ाय । ॐ [illegible]ाय । ॐ [illegible]
[illegible]ाय । ॐ [illegible]ाय । ॐ [illegible]ाय । ॐ
[illegible]ाय । ॐ [illegible]ाय । ॐ [illegible]ाय ।

१

नमो [illegible] ॥ नमो नमः [illegible]
य ॥ नमः [illegible]य ॥ नमः [illegible]य ॥
मः [illegible]य ॥ नमः [illegible]
[illegible]य ॥ नमः [illegible]य ॥ नमः [illegible]य ॥
नमः [illegible] ॥ नमः [illegible]
[illegible]नाय ॥ नमः [illegible]नाम्ने ॥ नमो
[illegible]काय ॥ नमः [illegible]य ॥ नमः [illegible]
[illegible]य ॥ नमः [illegible]य ॥ नमो [illegible]य ॥
मः [illegible]लाय ॥ नमः [illegible]य ॥ नमो [illegible]
[illegible]काय ॥ नमः [illegible]
[illegible]य ॥ नमः भक्त[illegible]य ॥ नमः
[illegible]य ॥ नमः [illegible]य ॥ नमः [illegible]
य ॥ [illegible] ॥ नमः [illegible]
य ०... ॥

किञ्चिद्विदितं नमो ऽस्तु परमात्मने ... य
नमः ... [illegible] ... परमात्म
य। ... ... । ... ...
... । ... ... ले ... ल ... लि
... ... वि ... भ ... सु
कं ... नमो ऽस्तु ... ॥ नमो ...
... य। ॐ ... उग्राय। ॐ नमो ... य
य। ॐ नमो ... ... । ॐ नमो ...
... य। ॐ नमो ... ... । ॐ नमो
... य। ॐ नमो ... य। ॐ ...
य। ॐ नमो ... । ॐ नमो ... य। ॐ
ॐ नमो वरप्रदाय॥ ॐ नमो ... य॥ ॐ नम
२ ... य। ॐ नमो ...॥ ॐ नमो ... य॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ मूले । ॐ ॐ विविक्तजे । ॐ
कराय । ॐ ध्रुवम् वचनाय । ॐ
भूमिनाथाय । भवॐ भक्तमोक्षि
द्याय ॥ ॐ गाढिले ॥ मोक्षचर्याय ॥
ॐ लक्ष्मं इन्दुविदे ॥ ॐ काली
ले ॥ ॐ कलाय ॥ ॐ मतिज्ञ
पाय ॥ ॐ संहतृसंकराय । ॐ
इन्दुविवेकाय ॥ ॐ नवपाय ॥
ॐ भूपवद्भः विनयाय ॥ ॐ ॐ य
ॐ गीताय ॥ ॐ ॐ लयाय ॥ ॐ
वीतं लालसाय ॥ ॐ गोरव
य ॥ ॐ गोरवसूते ॥ ॐ भूतव ॥
म ॐ नन्दे ॥ ॐ संभोगाय ॥ ॐ कु
ले ॥

ओं वरुणाय ॥ ओं कुबेराय ॥ ओं
[illegible] ॥ ओं [illegible] ॥ ओं [illegible]
[illegible] ॥ ओं [illegible] ॥ ओं [illegible]
[illegible] ॥ ओं [illegible] ॥ ओं [illegible]
व ॥ ओं [illegible] ॥ ओं [illegible] ॥ ओं
[illegible] ॥ ओं [illegible] ॥ ओं [illegible]
य ॥ ओं गणेशाय ॥ ओं सूर्याय ॥ ओं
[illegible] ॥ ओं [illegible] ॥ ओं [illegible]
य ॥ ओं [illegible] ॥ ओं [illegible]
व ॥ गौर्ये ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
ओं गणेशाय ॥ ३० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

त्नकमयाविमिन्द्रमन्त्रं पालियस्मिं।
पारुष्यपिमजीवेन्द्र । विघ्नान्नाशया
मि ॥ ओं वज्रकिलिकिलाय ॥ ओं
वज्रदृष्टिस्तम्भकाय ॥ ओं वज्र ॥ गाण्डी
वाय ॥ ओं वज्रवज्रभञ्जनाय ॥ ओं वज्र
स्तम्भाय ॥ ओं वज्रदृष्टिपातकाय ॥ ओं
वज्र ॥ गाण्डीवाय ॥ ओं वज्रमहामुष्टि
य ॥ ओं वज्रमिडपाशाय ॥ ओं
वज्रमहाप्रथमाय ॥ ओं वज्रमहाविघ्न
नाशाय ॥ ओं वज्रवज्रसंनाय ॥ ओं व
ज्रदृष्टिवचनाय ॥ ओं वज्रमहामिडमुष्टि
य ॥ ओं वज्रमहागर्जाय ॥ ओं वज्र
१ महाकाय ॥ ओं वज्रकुम्भकाय ॥

ॐ॰वद्धिहिमिकटे ॥ ॐ॰वन्हे॰व
र भरू॰य ॥ ॐ॰वह्नु॰ वश्रृनु॰व ॥
ॐ॰वम्रु॰ कुधम्॰घ ॥ ॐ॰वह्नु
ल विह्नु धि विनामकाम्रु भ
य ॥ ॐ लिंमुड तु॰य ॥ गलहूल
याध्युनानिः भुनाय ॥ ग रय ॥ ग
ल॰धउयं ॥ गरले ज्ञाग युतुविमाग
र॰य ॥ गल॰यन्य ॥ गसा कन्छाय ॥
गलागाल्य ॥ गएननाय ॥ गल
कुपणाय ॥ ग लेउं ॥ ग्लॅ युंघकु
धनयं ॥ गलपीमाय ॥ गरणणाय ॥
गरभुगराय ज्ञगाय ॥ गलमत्तृय ॥
गलवगाय ॥ गला कुभन्राय ॥ गलप
नयं ॥ ॥

[illegible]

गान्न भिद्रुवे। गान्न धराय। गान्न ध्रु
ण्डय॥ गान्न स्त्रूयाय॥ गान्नेक द्रुव॥
गान्न कद्रुय। गान्न मद्रुवे। गान्ने
कृत्ते। गान्न भद्रुय। गान्न द्रुमये।
गान्न विप्ति। गान्न वद्रियाय। गान्न
द्रुरुद्रन॥ गान्न क्षुय। गान्न द्रा
ह्नुत्राय। गान्न भभायाय। गान्न
राय। गान्न विद्रुण वि मेघकाय॥
गान्न किउध्नाय। गान्न ह्नुय। गा
न लीनाय। गउभियाय। गान्न
पीसाय। गान्न लयाय। गान्न प
राय। गउ ह्मराय। गान्न वमन
लय। गान्न कुउय। गान्नेक कुउ
मउ॥।।

गान्धर्व नन्दाय ॥ गान्धर्व मूर्त
विभीषिताय ॥ ओं रवे ॥ ओं ह्रं रमे
य ॥ ओं ह्रं ड्डं मज्जनाय ॥ ओं ह्रं मुष्ट
य ॥ ओं ह्रं वप्राय ॥ ओं ह्रं भार्याय ॥ ओं
ह्रिं भयाय ॥ ओं ह्रं कीर्त्ये ॥ ओं ह्रं कु
य ॥ ओं ह्रं वक्रमे ॥ ओं ह्रं भक्त्वाय ॥ ओं
ह्रं लक्ष्मी भवाय ॥ ओं ह्रं र्के क
पापहाय ॥ ओं ह्रं विष्णवे ॥ ओं ह्रं
भव्याय ॥ ओं ह्रं वाकु वल्लकाय ॥
ओं ह्रं मेरु कन्याय ॥ ओं ह्रं मेरुप
काकाय ॥ ओं ह्रं गावकराय ॥
उत्पवाय ॥ ओं ह्रं मसूर्य ॥ ओं ह्रं
5 गोविद मांधिने ॥ ओं ह्रीं हयका
य ॥

गुरुसूज्ञाय, गुरुस्कन्दाय, गुरुश
रूपाय, गुरुनीरयाय, गुरुठलाय॥
गुरुगालाय, गुरुसिंहाय, गुरुगव
हि, गुरुरवे, गुरुपीनिंभाय, गुरु
मुल्यललभाय॥ गुरुभक्ष्याय॥
गुरुकुलमस्तुयिने, गर्ग गुरवे, गुरु
मंसयठे, गुरुभस्मरूपायकाय॥
गुरुपरमभलम्स्याय, गुरुपम्पिक
कडनाय, गुरुमेडुगलस्तु, गुरुम
त्राय॥ गुरुस्तुडये॥ गुरुपम्प्रगुणे
य॥ गुरुपमयुगहगाय॥ गदिशाय॥
गुरुभत्तापसमभनाय॥ गुरुपुलि
डाय॥ गुरुपमपराय॥ गौगपम
पगाय॥ ॥

गोप[illegible]याय, गो[illegible]याय, नमः
[illegible]य ॥ [illegible] ॥ ॥ नमः
[illegible]य ॥ [illegible] ॥ ओं श्री[illegible]
[illegible]सुन्दर[illegible]लं । श्री[illegible]
[illegible]लं । [illegible] विभुं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] । [illegible] ॥ ॥
नमः श्री[illegible]निलयाय ॥ नमः
[illegible]याय ॥ नमः [illegible]य । नमः [illegible]
य । नमः [illegible]य ॥ नमः श्री
[illegible]निवा[illegible]
ये ॥

ॐ नं संसारसुखप्रदायिकाय । ॐ नं
संसारदुःखापहारिणे । ॐ नं स्तुत्यापापहरा
य । गौरीकान्तवृषभध्वजाय । ॐ नं भूतभव
भवाय । ॐ नं सर्वविघ्नविनाशकाय ॥
ॐ नं कालरूपाय । ॐ नं भक्तप्रिय । ॐ नं स
मन्त्रपालकाय । ॐ नं उग्ररूपाय । ॐ
नं भस्मधूलय । ॐ नं ठवाय । ॐ नं रुद्र
रूपाय । ॐ नं विघ्नभभाहृताय ॥
ॐ नं रुद्रात्मने । ॐ नं विघ्नभाय । ॐ नं
विघ्नभाय ॥ ॐ नं सूक्ष्माय । ॐ नं पाप
रूपापहारिणे । ॐ नं गलितभस्म
रूपरूपधराय ॥ ॐ नं गलितरूपाय ॥
॥

ॐ नमो [illegible] ॥ [illegible] भयनाशनाय ॥ ॐ न
मः [illegible] ॥ ॐ नमः [illegible] ॥ ॐ
नमः [illegible] ॥ ॐ नमः सि
द्ध[illegible]नाय । ॐ नमः [illegible] ॥
ॐ नमः [illegible] । ॐ नमः [illegible]
[illegible] ॥ ॐ नमो विष्णु [illegible] ।
गोरक्षनाथवरदाय ॥ गोरक्षना
थाय ॥ गोरक्षनाथ [illegible]
य ॥ गोरक्षनाथाभयाय ॥ गोरक्षव
ने ॥ गो[illegible]नाय ॥ गोरक्षनाथपरि
[illegible] ॥ गोरक्षनाथ[illegible]नाय ॥ गोरक्षना
थ [illegible] ॥ गोरक्षनाथ [illegible]
१० नाय ॥ गोपी[illegible]अभयदानाय ॥

गों गीं कुक्षय नकूलाय ॥ गों गीं उन
हूयाय ॥ गों गीं भनै वाक्षिउ मिछु
कउ ॥ गों गीं गाय ॥ गों गीं पुत्राय ॥ गों
मकुमाय ॥ गों गीं ठरवाय ॥ गों गीं
मननूनाय ॥ गों गीं भिय ॥ भइय ॥
गुरूपराय ॥ गों गीं वरभरूय ॥ गों
गीं भूमिभयाय ॥ गों गीं भक्तरूपाय ॥
गों गीं गणेश्वराय ॥ गों गीं चलव
य ॥ गों गणवनाय ॥ गों गीं हुकुम ॥
गों उमाय ॥ गों उमीनाथाय ॥
गों उमी भगवल्लभाय ॥ गों उ
मी वृतीमुवरभरूलाय ॥ गों उवक
म

वराय ॥ ओं ॐ अघोराय ॥ भूतय ॥
ओं ॐ आं सभद्र: रपवे ॥ ओं ॐ भद्री
रभद्रणरि ॥ ओं ॐ भद्री हराय ॥
कृाय ॥ ओं ॐ आं पद्मविकराय ॥
ओं ॐ आं ॐ विनासनाय ॥ ओं धड
ये ॥ ओं पनाय ॥ ओं धाय ॥ ओं धल्ल
भियमरनाय ॥ ओं धल्लाय ॥ ओं
गरुपीसाय ॥ ओं कम्हल निवत्र
काय ॥ ओं भद्रस्व भद्रे ॥ ओं त्रुल्वत
नाय ॥ ओं मगाय ॥ ओं सिहरणाय ॥
ओं मरी उिवहिजड ॥ ओं क्षभिन ॥
ओं कद्र भद्रारड ॥ ओं भद्राय परिवत्र १००

काय ॥ ओं ह्रुय ॥ ओं भि ॥ ओं हु
सूयाय ॥ ॥ ओं ह्रां ह्रूं ह्रूं भि
ह्रि हिलि मि विलि मि गल्लैः । गद्गु
ल्लै कपालाः । भ्रुना कङ्काण
नाथ । मनि तुल मू पिलं । भैरवस्
पनिसभा ॥ एवं योगिनि दूते
पङ्गिलपति ॥ ययपुपा मण्डलैः ॥
नेवहृ मैमकानं मुडिप० नल
मनौ उवाहु इवाहुः ॥ ओं ह्रूं घउ
य ॥ ओं पनवछनाय ॥ ओं हु भिय
य ॥ ओं हुभयाय ॥ ओं हु नयनत्रि
वटुकाय ॥ ओं लेकाय ॥ ओं लकाय ॥

नोधुड़ ॥ नोठतु ॥ नोश्रापायवजाय ॥
नोडुढ । नोस्रन्नो॥ पुष्ठाय । नोदेन्नि ।
नोपयः श्रियाय । नोइाय । नोस्पद्ये ।
नोइपुठव । नोइठयापकाय । नोइवो
श्रिकूराय । नोइश्रियाय । नोइगुि
नामनाय ॥ नोइस्त्राणपराय । नोइ
भपराय ॥ नोइमवडाय ॥ नोइवि
श्रेणुनाभ्र ॥ नोि्रिल ॥ नोइपाल
काय ॥ नोइश्रडवे ॥ नोइकेडव ॥
नोइजडव ॥ पाइल्नाय ॥ नोइइ
9 काय ॥ नोइपडय ॥ नोइसश्रिलि
डाय ॥

गै३विघ्न॥ गै३ठिङ्कुइ॥ गै३ठिक्रा
न्यकाय॥ गै३ठिङ्कुलिङ्गपालाय॥
गै३ठिक्ष्मइस्त्रमनाय॥ गै३ठिङ्कृष्टि
न्याय॥ गै३ठिम्द॥ गै३पालकाय॥
गै३ठिक्रीउत्पत्तिउाय॥ गै३ठिङ्कू
ङ्गरमकाय॥ गै३ठिङ्कुरम धि
न॥ गै३ठिङ्कुल यन्त्र॥ गै३ठिव
यमं॥ गै३ठिमनमाय॥
गै३ठिङ्कैधनेधराय॥ गै३ठिङ्कृ
ष्टमैटनायकाय॥ गै३क्षिपडिः
भियाय॥ गै३भूरीभियाय॥ ॥

गिरिशयाय । नमो रुद्राय । नमो मी-
ढुषे । नमो [illegible] ॥ नमो विश्व-
रूपाय ॥ नमो [illegible]य । नमो
[illegible] ॥ नमो [illegible]
य ॥ नमो [illegible]य ॥ नमो [illegible]
[illegible] ॥ नमो [illegible] ॥
नमो [illegible] । नमो [illegible]य । नमो [illegible]
[illegible]य । नमो [illegible]य । नमो [illegible]
[illegible]य । नमो [illegible]य ॥
नमो [illegible] । नमो [illegible]
[illegible] । नमो [illegible] । नमो [illegible]
[illegible] । नमो [illegible] ॥ ॥

नमो [illegible] । नमो [illegible] ॥
नमो [illegible] । नमो [illegible]
[illegible] । नमो [illegible] । नमो
[illegible] । नमो [illegible] । नमो [illegible] ।
नमो [illegible] । नमो [illegible] ।
नमो [illegible] । नमो [illegible] ।
नमो [illegible] । नमो [illegible] । नमो [illegible]
[illegible] । नमो [illegible] । नमो [illegible] । न
[illegible] । नमो [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] । नमो [illegible] ॥
॥ ॥ ॥

गीउकीउये॥ गीउविमाररूप॥
गीउम्हीउयमसमे॥ गीउसं॥ यिने॥
गीउमछुराय॥ गीउरभत्रान्य॥
गीउम्हने॥ गीउल्लेलान्य॥ गीउम्ह
रूप॥ गीउसियान्य॥ गीउभय
य॥ गीउउडुउके विरूय॥ गी
डुंमयरुढ़े॥ गीउभगीउमान्
नान्य॥ गीउउरूय॥ गीउउडुय॥
गीउउडुन्य॥ गीउसूयान्य॥
गीउभरान्य॥ गीउरुडे॥ गीउवि
श्वविनणसिनुान्य॥ गीउभक्त
य॥ गीउल्लीनान्य॥ गीउवि

गं ॐ अंमन्ताय । गं ॐ कण्ठमाले । गं ॐ
कुण्डाय । गं ॐ शीतांशवे । गं ॐ ल
म्बाय । गं ॐ वक्रतुण्डाय । गं ॐ स्थू
लाय । गं ॐ उदरविसृते । गं ॐ श्री
धिविकल्पाय ॥ गं ॐ सुरवरम
र्दनाय ॥ गं ॐ लम्बाय । गं ॐ विघ्नध
राय ॥ गं ॐ अंभोजहस्ताय । गं ॐ
भाग्याय । गं ॐ ईशाय । गं ॐ स्वः
पाय । गं ॐ नागाय । गं ॐ श्वेत
गं ॐ स्कन्दाय । गं ॐ सुरप्रियाय ॥
गं ॐ गणेशाय । गं ॐ कृपाय । गं ॐ मङ्ग
७ लाय । गं ॐ सुरविनिधिप्राय ॥

नमो भक्तप्रियाय । मठ्ठयनमोय ।
नमो रूपाय । नमो जितेन्द्राय नमो
विष्णवे । नमोठयाय नमोनमो
निवर्तकाय । नमो दूर्वाय । नमो
पयाय । नमो देवाय । नमो वेधा
य । नमो भवविकाराय । नमो
नालितकुञ्जराय । नमो कल्पि
ऊत्तुक्षराय । नमो कामितकृप
नाय । नमो रुद्र । नमो कल्मष
य । नमो रुद्राय । नमो भद्राय ।
नमो भगनाय । नमो शम्भवे ॥ ॥

गउँदूणाय॥ गउल्लानंदाय॥ गउंभू
नंदाय॥ गउंहभाय॥ गउँ ठंवाय॥
गउठवाय॥ गउउडुंउ भंमया
य॥ गयाभरा मिगक्किंइं॥ गया
भरवरभरुणाय॥ गयावाभाय॥
गयानयाय॥ गवावु मिनं
नभक्कडाय॥ गवाडीऊठल्ला
प्रकाय॥ गयायाइाठलभरु
य॥ गयाभयाय॥ गयाक्रीइाय॥
गयानिवाभजउे॥ गयधभमि
उड्डय॥ गायक्रइबउल्लभक्र
ए्य॥

[illegible]

गायेकह्लीऊंभीऊाय। गायेकु
एविघ्नेश्व। गायकलागवाय। गाये
कमाय। गायक्कऊभाङ्गाय। गा
यकाभियरुाय। गायकर्णीनवि
पडाय। गयाय। गयनुऽय।
गोयमांरिउाय। गोयउड्डविरू।
गयाकघ्न। पंकुाय। पङ्कउड्ड
विवमकाय॥ गाऽवरगा
य॥ गाऽह्नय॥ गाऽणह्नला
लेह्रुाय॥ गाऽवगाऽ
लोठये। गाऽभह्लय॥ गउाभ
१ याय॥॥

नमः श्रीकृष्णाय । नमः दे-
वकीनन्दनाय । नमः सुधर्माधि-
पाय । नमः [illegible]काय ।
नमो भगवते [illegible]ाय । नमो भगवते [illegible]-
[illegible]ाय । नमो भगवते [illegible] । न-
मो भगवते [illegible]ाय । नमो भगवते [illegible]-
[illegible]ाय । नमो भगवते [illegible]ाय । नमः [illegible]-
[illegible]ाय । नमो भगवते [illegible]ाय । नमः
[illegible]ाय । नमो भगवते [illegible]ाय । न-
[illegible]ाय ।
नमो भगवते [illegible]ाय । नमः [illegible]
[illegible] । नमो भगवते [illegible]
[illegible] ॥

नमो धियाय। नमो ललाटगाक
नपाय॥ नमो भास्करमंडलमा
य। नमो भास्करकेलिरूते॥ नमो त्रि
लिंगमडक्षय। नमो लक्ष्मइ
वृत्ताय॥ नमो चारूय॥ नमो च
ध्रियकाउ॥ नमो चन्द्रउरुडे
य। नमो चश्रीउरुनाय॥ नमः
गौल निलयाय॥ नमःकाय॥
नविनवन्म॥ नमो चगा मङ्ग
य। नमो चवरवयकाय। नमो
वाय॥ नमो भास्करय॥ नमो व
३ उलस्वउपाय। नमो चमंडाई॥

नमश्च वरप्रदाय । नमश्च भस्मा-
ङ्गरागाय । नमश्च गो... ताय ।
नमश्च त्रिपुरान्तकाय । नमश्च
ठयकाय । नमश्च ठयमाय ।
नमश्च श्रीकण्ठकाय । नम-
श्च गौरीपतये । नमश्च भू-
तेशाय । नमश्च गणाधिपत-
ये भूतपतये । नमश्च ठ-
नाय । नमश्च ... महेशाय ।
नमश्च भस्माङ्गाय । नमश्च श्री-
कण्ठनाथाय । नमो गणप-
तये ॥ नमस्कन्दाय । नमः क्षेत्रपालाय ।

नमः नायकाय । नमः ग[illegible] । नमः
[illegible]लय । नमः माय ॥ नमः [illegible]न
[illegible]ाय ॥ नमः [illegible]याय ॥ नमः
[illegible] ॥ नमः [illegible]भाय नमः
[illegible] ॥ नमः [illegible]ाय ॥ नमः [illegible]
[illegible]भाय ॥ नमः [illegible] ॥
नमः [illegible]लकाय ॥
नमः [illegible] ॥ नमः [illegible] ॥ नमः [illegible]य ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]ाय ॥
[illegible] कं [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
१ [illegible]कलसं । [illegible]

[illegible]

गीवा॰ मू॰ ग्न्य॥ गह्कूमे। गीव
॰ युड्ड्रे॥ गीवा॰ ग्नीकाग्नक
य॥ उह्नैन्ध्राकाय॥ गह्नभड्डाय॥
गीवा॰ युव्रिगाय॥ गीड्गैड्डाय॥
गड्ड क्रिड्डाय। गीवा॰ अंविद्धू
य॥ गीवा॰ भियड्डाय॥ गलडु।
गीवा॰ गेड्रखवाग्न्य॥ गीवा॰ ढ
लमायिकाय। गीवा॰ भियकडु॥
गीवा॰ गमभाग विमे। गीवा॰
न॰ अंपडुये। गीवा॰ हृमनाय्यु॥
गीवा॰ मू॰ याग्न्य। गीड्गमे
ह्नकभानभाय॥ गीवा॰ मुभमं
०० नडु॥॥

गीकाल्उग्रपालकाय । नमः
नमःपुण्ड्ये । नमःकाय । नमःपीन्द्र
मनाय ॥ नमःभुराय ॥ नमः
प्रमाय । नमःसाय । नमःसबद्र
य । नमःलेउ । नमःठेडु ॥ नमःमान
य ॥ नमःदेसुराय ॥ नमःपरगाय ॥
नमःइडे ॥ नमःगोडे ॥ नमःकुल
य ॥ नमःगीउगुरुय ॥ नमःनुवेइ ॥
नमःबलिलाय ॥ नविल ॥ नवीसु
राय ॥ नविसुराय ॥ नविगवधु ॥
नवंधियाय ॥ नवंनाघाय ॥
नवीमानाय ॥ नवांधउये ॥

[illegible]

[illegible]

ਤ੍ਰਿਗੁਣਾਯ । ਤੁਰਗਰੂਪਾਯ । ਤੁਸ੍ਟਾਯ ।
ਤੁਰਸਾਯਿਨੇ ॥ ਤੁਰਸਯਾਯ । ਤੁਰ
ਸੀਤਿਕਰਾਯ ॥ ਤੁਸ੍ਟਾਯ ॥ ਤੁਸ੍ਟੋਤੁ
ਲ੍ਯਾਯ ॥ ਤੁਲਕਮਾਸੇ ॥ ਗੀਖੁਤਾਯ ॥
ਗਿਰੀਸਾਨਾਯ ॥ ਗੌਰਵਾਯ । ਗੀਤਮ
ਸ੍ਤੁਤਾਯ ॥ ਗੀਦਿਵਾਯ ॥ ਗੀਪ੍ਰਿਯਾ
ਯ । ਗੀਤੇਵੇ । ਗੀਸਦੇ । ਗੀਪ੍ਰਿਯ
ਕਰਾਯ ॥ ਗੀਕੁਭਯੇ ॥ ਗੀਸਮਤ੍ਤੁਯ ॥
ਗੀ: ਸਭਤ੍ਰਾਯ ॥ ਗਿਰੀਸ਼ਰਾਯ । ਗਿ
ਰੀਸਤਾਯ ॥ ਗਿਰੇਸਾਯਿਨੇ । ਗਿਰਿ
ਸਲਭਾਪਵਕਾਯ ॥ ਗਿਰਿਸਲ
੭੩ ਕ੍ਰਿਤਧਾਮਾਯ ॥ ਗਿਰਿਸਲਨਮ
ਸ੍ਤੁਤਾਯ । ਗਿਰਿਸਲਪੁਰਵਿਹਤਾਯ ।
ਗਿਰਿਸਲਠਯਭਸਤਾਯ । ਗਿਰਿ
ਸਲਸੂਧਭਸਤਾਯ । ਗਿਰਿਸਲ
ਸੁਧਾਲਕਾਯ । ਗਿਰਿਸਲਮਤ
ਮਨੇਵੇ ॥ ਗਿਰਿਸਲਲਾਯਭਸਤਾਯ ।
ਗਿਰਿਚੂਲਵਨਸ੍ਤੁਯਿਨੇ । ਗਿਰਿਚੂਲ
ਸਤਾਯ ॥ ਗਨੇਤਾਯ ॥ ਗਨਭਿਯਾਯ ॥
ਗਨੇਸ਼ਵਾਯ ॥ ਗਨਨਮਸ੍ਤੁਤਾਯ ॥
ਗਨਠੀਤਿਕਰਾਯ ॥ ਗਨਵਭਸ
ਯ ॥ ਗਨਮੰਤੁਤਾਯ ॥ ਗਨਗੀਤਸ
ਮਤ੍ਰਾਸਦੇ ॥ ਗਨਾਨਕ੍ਰਕਰਾਯ ॥
ਗਨਭਿਯਾਯ ॥ ਗਨਮਾਨਭਸ
ਯ ॥

गणाधिपत्यप्रदायकाय। गणवन
धभिष्टदे। गणाभिष्टुभक्ताय।
गणप्रणतिजाय। गणसुभव
ने। गणमण्डपाय। गणानन्दनाय।
गणपक्षाय। गणभक्तजनप्रि
याय। गम्भीराय। गणकृत
य। गणधिष्ठभूषणाय। गणधिष्ठ
गणमग्नविदे। गणकन्याय।
गणकल्पद्रुमाय॥ गणकुम
येष्ठकाय॥ गणकृन्मवस्तु
ताय॥ गणधिष्ठाय॥ गणधिष्ठ
७३ गणमाय॥ गहनाय॥ गहनमय
य॥

गहनप्रभविदे मकाय। गललप्र
भजनगाय। गलसुविषे। ग
लन्धकाय॥ गलन्धुषुहृयकरे। ग
लन्धुषुभापलय॥ गम्भीरन
दये॥ गम्भीरगुणाय। गम्भीरलि
मकाय। गम्भीरगुणसम्पन्नाय।
गम्भीरमतिमेचनाय। गरुभूक
य। गरुडध्वजाय। गरुपाङ्कवि
धनकाय॥ गरुणामनमण्डप
यिय॥ गरुभूनाय। गरुसकक
दे॥ गरुकृते॥ गरुण्ये॥ गरुप

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ग्री म ०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नं मधियैयर : । नमानमाधियै
मैन । पत्रगानंम वाम्भक्षिः । उल
मा मधियैवक्षि : । कागउँनाम
य : मिव : । अवितुयमुग
यहू । यम भक्ष्मेडि कीडि उ । वेष
यरमजमष्ट । उष्टनमभमजपक
मा ॥ भवसा गिजुनमभनं । भवख
मनियमरलमा ॥ भवपमयर
समनं । भवडीजवलयलमा । उडुं
परमउडुन । भवभमौ उभै उमा
मा । मानमैयभमानविठय । लक्ष्मी
विठवकमरलमा ॥ श्रयक्षुं भवि

कं भवयच्छ वलभम्सभा । मैजनं
पुजनं तुष्टि । वसीकरमकरणमा ॥
धम्मतुष्टि धठकृमय । भवकमयुग
कमा । सर्वभ्यवविउ क्रूर । भदन
ममक्रमकमा ॥ । अथ सविदनाम
भजमष्ट ॥ श्रीरुद्र ऋषि : । गायत्रं
छन्दः । श्रीअवितु देवता । ह्रं बीजं
मः सक्ति : । ह्रीं कीलकमा । अग्नेः
पमउ कामभमउ । भजमन नाम
हेमै विनियोग : ॥ ह्रं उगाय
ह्रीं नमः ॥ अथध्यानमा । ॥
यशुक्लजा : स्वय्र मनजुम

पाशुह्रिस्वां। भक्तप्रयक्तृ श्रिकृ डि
पिभने॥ ब्रह्मरुद्रगणाद्यैः॥ विष्णुरुद्रैः
सदिग्तपिण्णाकृगमयकृगमगर्भः॥
भक्तानुं इं भकलकन्दुण्ण॥ भमक
भपहे ॥ ठकाराय विष्णुडे
ठिङ्कं ङ्कीमः भदाय॥ ङ्कंभाय॥
मङंभविड॥ ठकृराय॥ ठगाय॥
ठगवड॥ भवलोकमाय॥ कुडम
य॥ कुडगवनाय॥ कुड्मन॥ भखु
गड॥ कडु॥ न्डु॥ णगदडय॥ भुम
डय॥ वरगाय॥ वीमाय॥ वीरक्ल
य॥ विश्वमीपनाय॥ विश्वगड॥ वि

मकडे॥ ठकृय॥ ठेकृ॥ ठीमाय॥ ठ
यापकाय॥ विश्वक्कन॥ भरुपाय॥
भगपदृष्टम॥ व्दम्लभरद्धराय॥
भडपवडे॥ विश्व येनये॥ विश्वमाय॥
विश्वडे भापाय॥ कर्णभन॥ येगिन॥
भनवृक्ष्य॥ भजखिने॥ भनवे॥
वृह्यपाय॥ भरपडये॥ विश्ववक्तृ
य॥ पक्लिगाय॥ भुवनस्रगाय॥ कृ
ह्न॥ ठहृम्न॥ ठविभृह्म॥ हृ
ह्न॥ ह्ननवडे॥ गुणिने॥ भगदिक
य॥ गगभाय॥ डमभाय॥
डमखिने॥ कलगनिगये॥ ठगडे॥

सहस्रकिरणाय । सनातनाय । ह्रीमते ।
ईश्वराय । निर्गुणाय । निर्मलाय ।
निरीहाय । निरहंकाराय । निराश्र
याय । उपशमिने । कालहन्त्रे । कल
य । कमनीयतनवे । नयनाय । रू
पाय । भवभञ्जनाय । सत्याय । नील
तनवे । सत्यप्रियाय । त्रिगुणाय ।
वृषभध्वजाय । धीराय । समरङ्करे ।
समरप्रियाय । संसारमोचनाय ।
विष्णवे । शिपिविष्टे । सत्यरते ।
सत्यजिते । सत्यशीलाय । निष्प्रप
ले य । सनातने । भक्तवत्सलाय । कुसी
८ दकाय । भगनेत्रहराय ॥
यते । विभवे । शुभमङ्गलाय । करुण
ाय । धीराय । शङ्करशिवाय । शम्भ
वे । वृषभाय । शर्वाय । शम्भवे ।
शशिने । शमीशाय । शशिशेखराय ।
शशिकिरीटविभूषणाय । शशिकलाय । शशि
मौलिशेखराय । शिवप्रियाय ।
शिवलिङ्गाय । शिवकल्याणपङ्क्तये ।
उमापतिप्रियाय । उग्राय । उग्रवी
र्याय । उग्रेश्वराय । उग्ररूपाय । उमेश
य । उमापतये । उमेश । उमाप्रियाय ।
उमाकान्ताय । उमाभिवन्द्याय । उग्रेश्वराय ।
नमाय ॥ उपमानरहिताय । विषकण्ठाय ।
मृडाय । कालनाशकाय ॥

उकन्मनाकुषणाय। कुणाय॥ मु
लीकृताय। निरूपाय। कुविराय।
मुक्तिलाय। मूलाय। एकान्तस्थ
वे। धनुर्द्धने। सेवनाय। वनायक
य। सहलयाय। सुःपप्रि। सुःपरु
ड। मिमृकोशनेहभिने। शिवहर
लेडे। सर्वकृताय। सुमसमाय स्मभ
हणाय। स्रामसोकवभउये। स
मपूर्न। विवसउये। सनभाय।
सिद्धसभनाय। सुगगाय। सुडि
सभाय। सहचृयाय। सहवसभव
य। समाकृडवे। सयानवाय।

सयकुलाय। भनुणजाय। लिकरु
ड। डरे। धकु सरूाय। ठयभराय।
उसेभि। भठवे। ०००। डियःमामि
डवहलभमना। सहसरत्री रियाहु।
वरुनउभकह कालैः। भूलम
नभस्रुतनो। उंधसूत्री। भियभ
भलिउंभहभोंयहिभंरु। वसं
वऊ। कालविधां। ठक्कर उंभूथहि।
थुडुसभनाय। सतुाय। सहर
य। कमलभनाय। युदिमिसुय।
वयधं। सुहुाय। भरूमीनथर
सभाय। भरुडुरूभनाय। सतुाय।

भक्तभेदनाय । नादये । नियतस्थने । क
लेशाय । लिनेशाय । ठक्कवत्सलाय ।
कल्पाय कारिणे । कुम्भ० कद्रुसा
य । कुम्भवल्लभाय । द्रुमभृगिणे ।
भक्त । भद्राय । सभद्रे । वृषभे
वल्लभाय । भगभागाय । भद्रभाय ।
सूक्ष्माय । सूक्ष्माय । मीनलतानधिया
य । हिरण्याय । गजवाहनाय । गज
वक्त्राय । गजधियाय । कालयोनि
ने । भजनानन्दाय । निष्कलाय । नु
सहस्रदयाय । गम्भीरघोषाय । निर्घो
षाय । घटकम्भाय । भेदभयाय ।

गजमुखाय । गजास्य । गजभाल
नयनाय । भवभवभद्राय । वि
लयाय । नागाभिने । नगेन्द्र
रूपाय । भूषाय । द्रुमिणे । द्रुमग
साय । गभिने । भरतस्य लिङ्गाय ।
हरिणवाभिने । हरिणाय । धनक
राय । कुलंधराय । मिथिने । म
लिने । सालिने । हलिने । हल
दण्डभयाय । विठ्ठ । देभयाय । दे
भकाय । दारिणे । दामिद्राभ
यस्थिताय । दासिस्वाय । लगस्त
भिने । सरांगभदृये । विकट्टन
याय ।

[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] १०० ॥ [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]

[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] । [illegible] ॥
[illegible] । [illegible] । [illegible]

कृतयुगाय । त्रेतायुगाय । द्वापर
युगाय । कलियुगाय । क
ल्पाय । कल्पान्तने । कलिनाशनाय ।
मन्वन्तरात्मकाय । रुद्राय मनवे ।
त्रिभुवनेश्वराय । अभवाय । भूतपि
तामहाय । राम्ने । वरुणाय । सर्वाय
पितृनाथाय । कलाकलभक्ताय । मन्त्र
य । मन्त्रभक्तिप्रिये । धर्माधिपे । गण
नाथाय । कल्पान्तकालनाशाय । प्र
य । कल्पाग्नये । कल्पप्रणाशनाय । भ
क्तवत्सलाय । गणेशाय । गणेश्वी
युगावर्तनाय । कालचक्राय । युगान्त
य । आदियुगाय । सर्वेश्वराय ।

त्रैलोक्यनिधिरूपाय । भवकाल
कालकाय । प्रीतिदाय । सर्वलोकाय
नायकाय । तलातलनिवासाय । वाय
वरुणाय । वीरभद्राय । वासुदेवाय । वे
कुण्ठाय । कपिलाय । भगवते । भ
क्तप्रियाय । वरदाभयाय । भद्राय ।
कृष्णायकाय । कालकालाय । परा
य । निर्गुणाय । नादरूपाय । त्रिभु
वनाय । कुलभूषणाय । कुलाधीशाय ।
कुलपालकाय । निवर्तनाय । भक्त
प्रियाय । विश्वमाताय । नीतिगाय । न
मस्कृताय । वरप्रदाय । विश्व
रूपाय ॥

स्त्रोत्रेभ्यः परायणाय । भक्तपाल
य । भक्तकष्टाय । भक्तकामाय । भ
क्तमित्रये । भाग्यप्रदाय । वरप्रव
सिन्धुमालिने । उमेशाय । भक्तमुक्तिप्रदाय
ने ॥ ३०० ॥ ॐ ह्रीं श्रीं अंधक
वधकारकाय । पिङ्गला । भैरवाय ॥ नमो नमः
भद्रकाली काय । येन धर्मेण
लोके । शङ्करं । विशालि ईश्व
लिङ्गः । पाण्डुरानली । विश्वाले
कः । भक्तप्रियः । भक्तभावे
प्रसिद्धः ॥ भक्तवत्सलाय । भक्त
कल्पवृक्षाय । ॐ कल्पतरु
य ॥

भक्ताय । भक्तराजाय । लोकनाथाय । भ
वे । निर्मलाय । भलिने । भलया
य । भलयकुमाराय । भगवान् ज्ञानसिन्धु
राय । भगवान् कल्पाय । विशाल । श्री
रंधे पदे । पादुकापदे । लोकनाथ
काय । ललाटाय । रुद्रकराय । भक्त
भावाय । वलये । वरकराय । व
लिने । वरप्रदाय । पुरुषार्थप्रदाय । श्री
धराय । कल्पवृक्षाय । सर्वकल्प
य । सर्वपदाय । सामवेदवल्लभा
य । रुद्रप्रदाय । रुद्रकर्मणे । शि
शिराय । शिवरूपाय । अभयाय । स
गुणाय । भवाय । विश्वाय । सर्वाय ।

प्रश्रितश्रुताय। भगीरथाय। भक्त
गम्याय। श्रुतज्ञाय। नानाभिविद्ध
य। भैमनामापराय। भिन्ने। भङ्ग
तल्लोलाय। तुकमसापिल।
निरञ्जने। विकृतविग्रहस्य।
कुलकान्ताय। कुलमीनाय। विक
लिल। विश्वायने। विश्वेश। विश्वंभरा
य। विश्वज्ञानगम्य। विश्वरूपाय।
विश्वस्थाय। भगहाय। भगदाय।
भुहताय। विसवामनदहनाय। नम
लाय। नभयाय। नेत्र। पद्मदिवि
ने। भूमण्डलाय। प्रवीणनीयाय॥

वरू काय। मरू भिंद्रवपुष। भग
रू निर्ह्लीकाय। लीवनाय। मत्रि॰।
मरून्ठवनिनारूवडे। यमवे। शु
वत्रनाय। निद्दाय। मकान्नुयष
ठवसुरू। भगवे। त्र्यनिवाप
ञ्जय। स्तुलिने। कपालिने। पञ्च
मदगाय। र्किन् निलयाय।
विक्रमफुल्लमद्गाय। वक्रमलाय।
सिद्दमालप्राय। लायाय।
लपञ्जुभभक्रमाय। लमसुरु
ठलभलाय। मकस्रप्रु। सवक्रु
य। मरुभुनयनाय। गवयो। मच
डन्वमयाय। यप्रुाय। वीरव

वक्त्राय। विठवभेव। विश्वावभेव।
टुल्लेभिवृमपडय। रू :: वि
विधेनकुक्षृट्टुस्वगमुलि। लिंगाली
यान्मदीये। विश्वाकाम्मतुल
उडेव। कल्पनाकल्पितृभू :।
नानाकुडभग्नाडेविकुडी। नक्षय
कडेयेव। डम्भडम्भठवडेप
रभा। दिट्टनिर्हभ्रपढे॥ वक्षन
घाय। विभनवडे। डमित्राय। ड
मिल्लेकमाय। भवणाभिने। कल
मेयाय। ठेनेमाय। रुवरुवक्षू
य॥ नागकुाय। नद्वराजनाय॥

००

विद्युपरमाय। विहिमाय। यक्षमाय।
रक्तभूय। गुरवे। रक्ताकुलकवारु
य। पङ्कचकुलप्रलिङ्गय। मुभर्वे
वकिडाय। लभूय। रनैडु। मेंहनि
वक्षनाय। डुकुक्रमाय। पिमार्क
माय। किंवरीप्रलिङाय। डुरुय।
मिह्नुमकुमाय। भमाभ्रमाय। भाद्रम
कुमाय। भमिवुडय। ललाटकाय।
विश्वरूपाय। नियमिने। निघण्ड।
क्रियाय। वक्षुय। वक्कुकुत्रग्र।
माय। पनत्रुकाफवे। पल्लपक
य। पुलिभाउपाय। पनस्थाय।
पभोमाय। पभुगन्धमाय॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
ज [illegible]
०७ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

टकारकारणाय । टङ्किने । टङ्कार
प्रियमङ्गलाय । डिडिमडमरुपाणि
णे । डाकिनीशाय ॥ डमरुप्रि ॥
यमहुंकारवेदिने । ड ॰ ॰ डिमर्दिने
मः भावितवेदिने । पक्षविधाय
नः सौः सौः सर्वदाप्रिय
डेवडेश्वराधिष्ठाय । यन्त्रविवर
भस्त्रविनिभाय । कौलप्रकाशिता
त । ... । भय
... ॥ ... ।
... । ... । ... ।
... । ... ।
03 ... । ... । कलि

कालनिवर्तकाय । कर्मकवचाय ।
कर्माकाण्डिने । कल्मषनाशनाय ।
कंभस्तंभिने । कापिलाय । कनक
मालमालकाय । कान्ताय । कुम्भ
य । कापिञ्जलाय । कीलाय । कमाधि
ष्ठानाय । ... । कपालिकाय ।
... । कमलासनाय । कु
लिने । कपालभैरवकाय । कामाय ।
कस्मीरपत्तनभास्कराय । कुलिङ्कि
... । कुलगर्वाय । कुल
गुरवे । कुवलयिने । कुलकिलि
नाय । ककाररूपधारिणे ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

य। वृन्दलिङ्गन्य। ल्मखियान्य।
ल्वन्तिमान्य। ल्कायधदपक्र
य। उग्रपिमन्त्राय। उष्णाय उ
ग्रीवायनउद्धाय। ह्रिनेमाय।
हिनेरमान्य। रूपीउनवे। कृष्ण
साय। उभम। उभाभभजाय। उभे
फले। उभेगिभुवे। उन फेरे। उपे
भयाय। उपभांफलान्यकान्य।
उदानिकालनाकान्तुन्य। उकन
कान्तुभन्वय। कुमाव। कुली
शिउन्य। निष्टाय। कविताव। श
१० शिलान्य। कुलान्य। ब्रकाल
व।

वृषाङ्कने। मेधनाय। कनाय कन्य।
कल्याणाय। कुः पश्च। कूर्मदरे॥
मानित्कुकन्दने ऊर्मिने। मे हस्तर्क
रु। मे वत्सुनाय। कुन्दमन्त्रभद्राय।
कुन्दमन्त्रेकवभडय। कुममन्त्रने।
मिवसद्रडय। रुनभाय। मेष्टमभनाय।
रुगाय। रुगाविरुभाय। रुक्ष्मे
य। रुक्षाविमध्याय। मयनाय
य। मपैकुलाय। मयोगकलाय।
मीपिउमडे। भाष्ककल्पभद्र
कान्य। यमवरुवे। यम्नानि[illegible]ये।
मन्त्रान्याय। यनयन्य। यनद
य। पनाष्टरूप। यायगघय।

भगन्दराय । प्रज्वलीशाय । अभिने ।
पञ्चमहेन्द्राय । पञ्चाननाय । पञ्चाग्ना
य । प्रणीताय । पञ्चाक्षर । तुष्टोसि ॥
पञ्चवक्त्राय । १०० ॥ अद्यैतस्यः
परमभूपरमादित्यस्य त्रिभुवनैः ।
दक्षमखविध्वंसविकलः । समन्त्रय
ज्ञानस्वरूपैः । यत्नेश्वरः परमभ
गवनः । श्रीउयज्ञलिङ्गैः । सम्पूर्ण
यज्ञाद्वाराजितचयः । सम्पूर्णमनसा
मि ॥ पञ्चवक्त्राय । पञ्चहस्तल
ठाय । पञ्चलिङ्गाय । पञ्चाननाञ्चक
ज्वय ॥ । नमोऽभिषेकाय । नमो
य ॥ ।

ग ०७

नीइ । नीलिभ्रियाय । नयिने । नलि
नीवल्लठाय । त्र्यक्षाय । नमोरुद्रा
नमोवचनाय । नरनाथाय । नीप
मुद्राय । नैठगणभिने । नठः श्रिया
य । नैमेत्रय । नमितुम्गतये । नर
नाराय ७ स्वयाय । नारायण
य । नीलकमाये । नभारूपाय । नी
ल लोहिताय । नमोऽभिषेयाय ।
नमोभयाय । नमोविश्वरूपा
पाय । नमोवाय । नमपउये । नमो
य । नमोगारुडस्त्रिताय । नमाय ।
नाकभिडाय । सनकवभग ॥

वलगदिवस्रवंमिवे । वैत्रलप्रं
उपानकाय । वपाय । धजम्प्रद्यै ।
धजनाय । धजनैत्राय । धजनडये । व
धनुष्य । तीमक्ष्याय । हमयाय ।
तीक्ष्णमियाय । हगाय । हगवे ।
हुग्मुयिने । हानवाय । कावि
मापताय । हटूदय ॥ उस्रैमि ॥
हन्नमीध्राजूय । उ॰ ॥ मीधुः ग्र
न्मुखैः हमूयमार मिलं । मूल
हेवमान ः । मेहंकंमः गडनिहूव
धुः । माज्ञर मिनमारू । येये प्रयः
मनमिममारु । घलजम्ममजुउः ।
०७ ॥ एवंमचांधिविहमापमयं । हमूहेनो
मिजूमि ॥

हनाहये । हमण्डकाय । मसल
माय । पमालमुहाय । मगशिव
रूपाय । मण्डवाय । मेदिनीमाय ।
महाकालाय । महारुद्राय ॥
महानागाय । महामडये । म
हेरूलाय । मनेरुपरिले । म
नेगणमिने । मनेहवाय । मान
माय । मलप्रे । मल्लमाय । महम
ल्लिगाय । मल्लमलिंगाय । म
ल्लमालहरुप्र । मानीव
याय । मनेमयाय । मेलिडाय ॥
मलिरकूपाय । मान्नुजूय ॥
मृष्टमलिंडाय । महवगाहाय ।

भीमेशाय । भीषणाय । भिन्नेभकुम्भ
य । भक्तकैरवचन्द्रनामसूनाय । भक्त
वत्स । भेण्नाय । भागविने । भूमल्ल
घ्नाय ॥ भक्तरूपाय । भगीमाना
य । भाग्यफलदाय । भद्राय ।
भदनाय । भैरवकारणाय । भ
क्तानुभाह्वकाय । यूर्चे ।
यज्ञेशाय । यान्ताय । योगिने
हृदिभङ्गाय । यात्रिकाय । य
ज्ञफलदाय । यायिने । यामल
नायकाय । योगनिद्राप्रियाय ।
योगकान्ताय । योगवल्लभाय ।
म यज्ञपालाय । यज्ञेशाय ॥
१०

सुमुखं सुमुखं । येनितं सुमनगाधं ॥
विश्वभवाय । वीरवीरेन्द्राय । वामन
लाय । वामदेवाय । धिरवाय । वामाभ
गमाय । वासुदेवाय । वीरभद्राय ।
वनदेवाय । पद्माय । वरुणदेवाय । पलिम
पुलिनं । विश्वनाथकूपाय । नन्दक
य । पद्मगर्भाङ्कमौलये । नाग
देवपूजाय । सुकाय । सभीमाय ।
गजमुखाय । मातृजाय । मनोविनाद ।
समभविपाय । गुणकृताय । सु
लक्षणाय । सुभीमकाय । सुरप्रियाय ।
महाय । मदनहराय । नागशील
भक्तिरूपाय । सुमुखविदप्राय ॥

[illegible] सम्पन्नाय। [illegible] सम्पन्नाय। [illegible]
य। [illegible]नाय। [illegible]य
[illegible]य। [illegible]य। [illegible]
[illegible]य। [illegible]नाय। [illegible]य।
[illegible]य। [illegible]
[illegible]नाय। [illegible]काय। [illegible]
[illegible]य। [illegible]
य। [illegible]। [illegible]। [illegible]
[illegible]य। [illegible]य। [illegible]
[illegible]य। [illegible]
य। [illegible]य। [illegible]प्रदाय।
[illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]ाय।
[illegible] [illegible]प्रदाय। [illegible]
[illegible]नाय। [illegible]प्रदाय।

[illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]ाय।
[illegible]प्रदाय। [illegible]
य। [illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय।
[illegible]:प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]
[illegible]। [illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]
[illegible]य। [illegible]प्रदाय। [illegible]:प्रदाय।
[illegible]प्रदाय। [illegible]। [illegible]:प्रदाय।
[illegible]:प्रदाय। [illegible]:प्रदाय। [illegible]
य। [illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]
य। [illegible]ाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]
[illegible]य। [illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]
[illegible]य। [illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]
[illegible]प्रदाय। [illegible]प्रदाय। [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मूर्त्तिमानाय। त्रिकालज्ञाय। मेधा-
य। सर्वालङ्कृताय। सिद्धिविद्याय।
सिद्धाय। गुरुदेवप्रियाय। भक्तप्रियाय। सर्वका-
माभयकाय। मदनान्तकाय। मङ्गलकाय।
पद्मनाभाय। कृपाप्रियाय। मन्त्रमन्त्रेशे-
शि। धनदाय। धनञ्जयाय। मङ्गल-
श्रीभक्तप्रियाय। धनकामाय। भक्तकै-
य। प्रदत्तानन्द। प्रज्ञानन्द। प्रशान्तानन्द।
भावकाय। भक्तदेवं सम्पूज्याय। भक्त-
गुणानन्दविद्याय। भगवत् भावकाशन-
य। भक्तकुलसम्पदाय। भक्तप्रदाय।
भावप्रदाय। मन्त्रप्रदाय। भाग्येश्वराय।
गु
११ नीतिप्रदाय। नानारूपानन्द। नानाविधकुल-
नन्दनाय। ज्ञानप्रदाय।

तेजःप्रदाय। रूपप्रदाय। नगीश्वराय।
ह्रीं श्रीं प्रदाय। ककारादि भक्तक-
य। लं वीं प्रदाय। भुक्तिप्रदाय।
लंगः प्रदाय। कीर्तिप्रदाय। काम-
यते। प्रसूप्रदाय। गात्रप्रदाय। सर्व-
सिद्धाय। चक्रप्रदाय। गः प्रदाय।
सर्वप्रदाय। रूपाग्निवर्ण। ऋः प्रदाय।
पुत्रः प्रदाय। श्रीः प्रदाय। प्रदनायक-
य। रत्नप्रदाय। धनप्रदाय। लक्ष्मीप्रद-
य। भक्तेश्वराय। सिद्धिप्रदाय। श्रेयसे-
दाय। मन्त्रप्रदाय। ऊर्जप्रदाय। सर्व-
कामाय। भाग्यप्रदाय। विद्याप्रदाय। पु-
त्र। नन्दप्रदाय। धर्मप्रदाय। वीरा

हृदय । वरउभाय । परमभ्रहृदय । क
मुखहृदय । विष्णुभ्रहृदय । ईश्लोसि
विनायकाय । ००० ॥ ५ श्रीमं स
मुदेवस्य भक्तनामभक्तवकमा ॥
सर्वसिद्धिप्रदाविद्यः । ब्रह्मामुख
लभः । भवभावभयं छिद्रं ब्रह्म
ईश्लो विवचनमा । ब्रह्मखुभयं छि
व्र । ब्रह्मलो विवचनमा । भवयज्ञ
फलंमहं भवभावभयखण्डनमा ॥
भवदेवयक्षं लोके कीर्तिमंदनम
यमा । भवकुष्ठलोछिद्रं भव
फलंखण्डनं । भवरोगकंठरि ।
मोक्षोंद्रवचनम । भवन्ववसहस

सिद्धिमि । नामानुं भक्तवकहसं । क
ल्पके छिमद्वैचक्रे । भेवसत्रैभव
न्तिउभा । यंबंकामभाछिप्रायः ।
सवान्नाभपिनल्कमा । उंउंधार्य
उभकमा । धान नेनाष्टधावडि ॥
मन्त्रेन हं क्लींमः श्रीयशेवीडमु

नागाभा । पद्महस्तं त्रिशूलहस्तं ।
भद्रां नागभ स्तुतं भा । चन्द्रके
श्रिवज्ञैः । दंष्ट्रां उविताल्लिङ्गं ।
कपालमालाकृतां । मन्त्रापके
ताविशां । वीणाङ्कुशवरदाभय
हस्तं हिमकुन्दनिभां । वन्दे
नृत्यं । मधुपानमत्तकुम्भा ॥
मन्त्रां विभितं । पादं त्रिके
लितां । सिंहासने पीतवर्णं गल
सर्पं त्रिनेत्रकम्भ । चतुर्भुजं
देवं । नीलकण्ठं भवतु मे । ज्ञानवक्त्रं
भद्रमणि । मृदुकिङ्किणि विचित्रमे ।
सुधीः प्रवदन्तु । नीलोत्पलदलप्रभं ।

वद्युनाद्भुतं । ओं ३ः जवे । भैरवं ।
रुद्रः । स्वधाजन्ता । यदयः । त्रि
भः [illegible] ॥ [illegible]यानि ॥
[illegible] विरूपे । भवदेवायपी
मृदि ॥ [illegible] ॥ ३
[illegible] ॥ शिवाय [illegible]
य ॥ [illegible] ॥ [illegible]
नाय ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
भवाय । [illegible] । [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
शि य ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
म [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
३

[illegible]काय । भवरुद्राय । भवरु
द्राय । गिरिधन्वने । [illegible] ।
[illegible] । [illegible] । विरू
प । विश्वरूपाय । [illegible]
[illegible] ॥ कपालिने ॥ नीललोहि
ताय ॥ [illegible] ॥ पशुपतये [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ भ
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ विश्वरूपाय ॥ [illegible]

नाय ॥ वागीशाय ॥ शुडिमत्राय ॥
भवश्मशा॰ंबरधारिणे ॥ बाधकूय ॥
बीधक्वनाय ॥ रंमन्याय ॥ पिनाकि
ने ॥ पद्मक्लिने ॥ सिद्धिसमाय ॥ सि
द्धनाय ॥ भनेजनाय ॥ भरुपिने ॥
भ्रिमाय ॥ शूलहस्तधृते ॥ स्रटिने ॥
कलकलाय ॥ नृडिवमभे ॥ म
हनाय ॥ मूलवस्त्रकाय ॥ नगाग्रह
य ॥ भमक्रूटाय ॥ भवम्भसे ॥ भद्र
मभवाय ॥ मायापुरुषाय ॥ कृत्त
गुरवे ॥ धामसिंह्ने ॥ भगयशय ॥
शि पुराणः भस्मनिपतनाय ॥ पितृशाय ॥
भ भिरिवस्त्रवनाय ॥ कृपावहवे ॥ ॥
ह

मीकण्ठाय ॥ नैकवत्साय ॥ उत्तमो
त्तमाय ॥ भभद्रदेवाय ॥ कैलाशि
ने ॥ नीलकण्ठाय ॥ पातस्थिने ॥ वि
श्रुलाकृताय ॥ भगेन्द्रस्वरूपाय ॥ भ
गघ्याय ॥ त्रिदशपत्यये ॥ एकमण्ड ॥
कुम्भकर्णाय ॥ गणवेड ॥ गणेन्द्र
रूपाय ॥ उग्राय ॥ उग्रलोभि ये के रो०००
धिपतेपत्तये ॥ उग्राय ॥ श्रियकृ
य ॥ श्रियंवराय ॥ मान्द्र ॥ रुद्रयाकृ
य ॥ भक्षणाय ॥ कृपाझिने ॥ कम्मभ
मनाय ॥ भद्रमानविलायवासि
ने ॥ भद्रमानभूपाय ॥ भक्तिक्षाय ॥

लोककर्त्रे ॥ कृपालवे ॥ भक्तकम्प्रे ॥ म
हेश्वराय ॥ उग्राय ॥ शेषभूषणे ॥ गङ्गा ॥
धनपरभृत्य ॥ भराडनाय ॥ नीडये ॥ श
नीश्वरे ॥ उग्रपुत्रने ॥ श्रीमान्य ॥ श्रीमर
डाय ॥ भूपित्रे ॥ श्रीमपान्य ॥ त्रय
डपाय ॥ श्रीपूज्य ॥ भक्तदडये ॥ श
कद्रूडये ॥ प्रसडमहृदे ॥ पुलोक
शंकष्टान्य ॥ कष्टवासनान्य ॥ लोक
कराय ॥ वीरकराय ॥ प्रहरकराय ॥
भनाडनाय ॥ भक्तप्रिय ॥ कपिल
शि मान्दाय ॥ विशालाक्षि ॥ विश्वमनाय ॥
म पिनाकपाणये ॥ कुटवराय ॥ ॥
७

भक्तिनडे ॥ शर्मितमय ॥ पञ्चीतम
काय ॥ भवमै ॥ भवस्तुय ॥ भव
शेमराय ॥ मूरूमाल ॥ विश्वमाल ॥
भनाय ॥ कालिकाभुयाय ॥ स
मये ॥ भगपाय ॥ शोपाय ॥ शिवाय ॥
मनकदडभभाय ॥ गङ्गप्रवरकाय ॥
ब्रह्मपालाय ॥ शंपडिश्रिताय ॥
विलिङ्गप्रने ॥ विपयप्रन ॥ कु
डवप्रनभनमये ॥ भग ७ ये ॥
न‍ाकम्याय ॥ भक्तीडये ॥ क्लिन
भंगुयाय ॥ कामदेवाय ॥ काम
पालाय ॥ कामप्रलिङ विरलाय ॥

गलवलाय ॥ भगन्नकुड्ये ॥ हंहु
याय ॥ भयनेत्राय ॥ धंगृजकनो
य ॥ पनवराय ॥ पनवासिने ॥ तुल्
गमिने ॥ तुल्काराय ॥ भनत्रुक
धूये ॥ गुननाथाय ॥ मंगाय ॥ भय
पिडे ॥ दमाय ॥ वाविवारूपाय ॥ पि
गनिलयाय ॥ भावभड्डवे ॥ दि
ड्य ॥ वीरगणाय ॥ धिनीडु
न ॥ उपधिने ॥ कुडवाकाय ॥ उद्भ
डुवमाय ॥ भस्कनाय ॥ लिङ्क
माय ॥ लानखियाय ॥ कल्हु
भगड्ये ॥ कल्याय ॥ भवलोकभू

मि
म
७

सपउये ॥ उग्रध्विने ॥ उग्रकाय ॥ पी
भउ ॥ पुणनाय ॥ भूतवे ॥ वसूयाय ॥
लोकपालाय ॥ वजूदिड्म्नने ॥ क
ल्पदेवो ॥ कमलेकणाय ॥ वदमा
भणुड्राय ॥ नियमाय ॥ नियम
मूयाय ॥ गन्धवे ॥ भद्राय ॥ मनये ॥
कडवे ॥ वितमाय ॥ विरूभककवय ॥
दक्षिणहस्ताय ॥ भांस्कन्ल ॥ भडव
गुणगुयाय ॥ वनयाय ॥ वशिवे ॥
वशिमयाय ॥ मन्त्राय ॥ भामसूने ॥
सनहूठवे ॥ भवकमावलभाय ॥
भद्रलाय ॥ भडलावाडाय ॥ भडउपम ॥

[illegible] || [illegible] || [illegible]
य || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
भक्तप्रिये || भक्तवत्सलाय || योगिने ||
[illegible] || भक्तवन्द्याय || भवभय-
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || भवपापहराय || हराय ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || कमण्ड-

[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible]
य || भक्तवत्सलाय || भक्तबन्धवे ||
भक्तवीराय || [illegible] || [illegible]
[illegible] || भक्तमन्यवे || भक्त-
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] ||
[illegible] || गम्भीर[illegible] ||

दुग्धकेशीनाय ॥ नमये ॥ धराकम
ये ॥ येगिने ॥ धामभद्राये ॥ नदद्भुदये ॥
ग तिथे ॥ विमेमनाय ॥ धूम्राय ॥ मम्भु
वधभद्राय ॥ यभाय ॥ भक्ताये ॥ उग्राकी
दुये ॥ मन्त्रेशाय ॥ भागलयाय ॥ के
लाभभद्राय ॥ कुम्भाय ॥ भविदु ॥
गविल्वेमनाय ॥ विनद्रुभाय ॥ वीड
चयाय ॥ विश्वकर्त्रे ॥ मुनिवरी
य ॥ निर्द्वं नियड कल्याणाय ॥ भद्र
मूर्ति कीर्तनाय ॥ कामभाय ॥ वि
श्वभवाय ॥ दुर्याय ॥ दुःभयना
शनाय ॥ अग्रकाय ॥ नश्वराय ॥

शि
४०

द्रविधाद्रि जाय ॥ मृत्युयाय ॥ व
नादि कृद्धवे लक्ष्मी किरीटिने ॥
दिदमणाधाय ॥ विश्वगेश्वे ॥ वि
श्वकेत्रे ॥ भवीराय ॥ दधिरुद्राय ॥
शानवाय ॥ [illegible] क्षीडये ॥ वीड
भड ॥ [illegible] ॥ [illegible] य ॥ विभु
य ॥ कश्मप[illegible] ॥ [illegible] ॥ तीभाय ॥ दी
भयकुभाय ॥ [illegible] ॥ भद्रव
मनाय ॥ भद्रकल्[illegible] ॥ भद्रव
नम्र ॥ लक्ष्मीपडये ॥ भक्तवरदाय ॥
भद्रलामनधारणाय ॥ द्रव
द्रविवेकपूर्ने ॥ विश्ववे ॥ कुरी

कृष्णाय॥ जयाय॥ कृष्णाय विष्णवे॥ वि
ष्णवे॥ लक्ष्मीकुलशोभिताय॥ यज्ञ
ध्वजे॥ यज्ञाय। यज्ञपतये। यज्ञाङ्गने॥
यज्ञरूपाय॥ सर्वभूतविकाराय॥ अन
न्ताय। हेलेमि। मन्त्रवाय। १०० य
ज्ञेशाय। यज्ञवाहनाय। सर्वज्ञ
भक्तये॥ विश्वरूपाय॥ विभन्ने मण
य॥ दुर्लभेनये॥ कुमारस्कन्दाय॥ पाँड
मण्डलेकहउ॥ गण्यदीवल्लभाय॥
सं मव॥ विकुण्ठवासाय॥ भूतकार
वि य॥ मिसव॥ उत्तराय॥ मंगल॥
भ भविष्णुय॥ भवमङ्गल॥ सर्वभूत
०० य॥

पूर्णिमाभवनाय॥ भक्तकाय॥ वि
ष्णवे॥ मयंहृदिस्थ॥ सर्वहृदि
स्थ॥ पूर्णचन्द्राय॥ हिदिहृदिस्थे॥ प
द्मलाय। पद्मलापम्भूतवे॥ मा
धवेशाय॥ श्यामसुन्दरे॥ स्वव्रताय॥
भक्तप्रियने॥ वीरस्वरूपे। उपमूर्त
य॥ भक्तगणाय॥ विश्वमातृ। बुद्धिये
गमराप्राय॥ पार्श्वदये॥ अन
कीर्तय॥ उद्धिमिने॥ भक्तमंत्र॥ भक्त
प्रियाय॥ नमस्कारलिङ्गिने॥ सर्व
मायाय॥ श्रीदिव्यपुरुषाय॥ भ
विद्यात्मये॥ पम्पारत्ने॥ भक्ति

[illegible]

[illegible]

पवनाय ॥ मितिभागये ॥ कुलंम्रिह
य ॥ वृद्धिप्रिये ॥ मनुष्यभक्षिवे ॥ पन्प
नम्भनाय ॥ धम्मसुरूषे ॥ कद्रुवन्दना
य ॥ भुजुषे ॥ विघ्नहेन्दनाय ॥ लक्ष्मण ॥
लागिमभनाय ॥ लेदिरुसुवाय ॥ उ
मि उज्जनपन्दे ॥ प्रमदस्तुत्य ॥ नरपेयनेये ॥
भक्तीकप्ताय ॥ उभिस्वभे ॥ निरम्य
उपनाय ॥ मेघ्यपक्राय ॥ पतपद्म
गाय ॥ भूपानिलाय ॥ भनिषन
य ॥ भूरुपये ॥ मिमिमाह्नकाय ॥ वभ
त्राय ॥ भण्ठवाय ॥ गीष्मय ॥ मठम्र
मि य ॥ सीलरन्दनाय ॥ वह्निम्भ ॥ पुर
म वे ॥ वृक्षप्रियाय ॥ विभलाय ॥ विस्वत
०१

कनाय ॥ पावकाय ॥ मानिस्त्र
कुत्राय ॥ श्रिविम्हप्राय ॥ नागवाहना
य ॥ भनभे ॥ शम्भुवे ॥ श्रदक्ष्माय ॥
वाइष्टप्राय ॥ केलुपालाय ॥ रुभ
मभ्रये ॥ रुलनिपाये ॥ विपाक
य ॥ विघ्नकतुपाय ॥ गणराय ॥ मन
उग्रप्राय ॥ ह्लभुय ॥ निम्नयभ
लयाय ॥ मेलाय ॥ नागाय ॥ उग्व ॥
मण्डवाय ॥ मनुवाय ॥ मनिमभ
य ॥ माभुधीलनकाय ॥ मण्डव ॥
विमलप्राय ॥ लेकमल्लठउ ॥ मठ मि
वेदनाय ॥ मठकावाय ॥ मतु म
१०

प्रियाय ॥ उग्रभाग्याय भद्रभाग्याय ॥
धीरदेवाय ॥ शिवानंदाय रु-
द्ररूपाय ॥ भद्ररूपाय ॥ भवरूपाय ॥
उग्ररूपाय ॥ रूपाय निर्विकल्पाय ॥
रूपरूपाय ॥ रूपपरूपाय ॥ निष्फला-
य ॥ भद्रभद्राय ॥ देवदेवाय ॥ भवसा-
गरोत्तमाय ॥ भक्तप्रियाय ॥ वि-
शेषाय ॥ देविदेवे ॥ मन्मथमोहना-
य ॥ पापनाशकाय ॥ भक्तवत्सलाय ॥ नी-
लग्रीवाय ॥ निर्भयाय ॥ भद्रम-
दरूपाय ॥ भवेशाय ॥ मार्गस्थाय ॥
शि म भवलोकपते ॥ पद्मभवाय ॥
७३ ज्ञानरूपाय ॥ विश्वनाथाय ॥ वि

॥ श्रवणाय ॥ भवभवस्थाय ॥ वीरेश्व-
राय ॥ देवेशभावाय ॥ ...
॥ भूभद्रभवनाय ॥ देवभावपुरुषे ॥ दे-
वाय ॥ देवभावनभवरूपाय ॥ देवदे-
वाय ॥ देवपूज्याय ॥ देवभावरा-
पूज्याय ॥ देवभावस्वरूपाय ॥ दे-
वभावभक्तप्रदाय ॥ भवदेवभया-
य ॥ वारिरूपाय ॥ देवरुद्रभक्तवाय ॥
रुद्राय ॥ वनीमाय ॥ महादेवाय ॥
देवभिंदनाय ॥ दिव्यकायाय ॥ शिव
पापभवभूपाय ॥ शिवभक्ते ॥ शि
पार्वतीप्रियाय ॥ वज्रदंष्ट्रभवि म
७४

सि
म
०८

भुक्तिर्न ॥ नागभिंदनिभञ्जनाय ॥
वृक्षमणीश्वरि ॥ नैकृमणीश्वरि ॥ प
द्ममणीश्वरि ॥ पनागविभप्य ॥ नवृतिने ॥
नन्दिसुराय ॥ नभाय ॥ नग्रसुउगा
य ॥ सुगमये ॥ लिङ्गप्रकाय ॥ भग
प्रकाय ॥ सुगणप्रकाय ॥ सुगणवादन
य ॥ सचमाय ॥ भनउाय ॥ भनाय ॥
भगाय ॥ भग भायाय ॥ भनाय ॥ वी
रप्रवाय ॥ वीरकवे ॥ वनरुद्र ॥ पद्म
वरनाय ॥ पद्मभाय ॥ वेदपद्माय ॥ भद्र
पद्माय ॥ भवक्रुद्भद्रसुराय ॥ पद्म
मन विलयाय ॥ दिव्यकवे ॥

वधूडिभन्नये ॥ नैकैवमध्यगतने
काय ॥ इक्षुकाय ॥ नगाकुवगाय ॥
वज्रकपाय ॥ भापहेपिश्वरि ॥ विश्वक
रापत्नाय ॥ वीरुद्देशाय ॥ समय
गुरुमहापाय ॥ प्रभुरुद्रचिभिर ॥
वलाये ॥ पचपरमवे ॥ सकल
य ॥ निष्कलाय ॥ वनधाय ॥ कुण्ड
य ॥ सकलगणाय ॥ पाण्डुगा
य ॥ भमहाय ॥ नाय ॥ भमहाय ॥ प्र
पिङ्ग ॥ पद्य ॥ भक्तिभावाय ॥ मले
मनाय ॥ भभगवान प्रियाय ॥
गुरुपाय ॥ पद्मकीर्तये ॥ भवाभयाय ॥

मनोल्लवाय । जीवकाय ॥ ललि
ताय ॥ लीविग्रहाय । लीविग्र
उकाय ॥ प्रनन्ताय ॥ वभाउमे ॥
वभयलाय ॥ भलूउये ॥ भलूउये ॥ भ
लाय ॥ कल्लकञ्जाय ॥ कलाणत्रा
य ॥ भालिने ॥ भनव ॥ भदकल
य ॥ भद्भुये ॥ भद्रान्भन्य ॥ म
न्भाह्लीवनाय ॥ मान्ज ॥ लेकर
लेय ॥ ङलूमि ॥ ज्ञमिभवनाय ॥
ङ.. .. ति भमानिपन्य ॥ ले
करज्ञवे ॥ लेकनाथाय ॥ त्रुडलू
सि य ॥ कुडिरूपाय ॥ मन्नपाय ॥
न मत्रूणाय ॥ काउञाय ॥ भवमा
०५

भूउंवाय ॥ ङलेमयाय ॥ भूउि
ग्य ॥ लैकनाथाय ॥ ननव ॥ भुमि
भिन्नय ॥ भूमनाम्भे ॥ फलयाय ॥
फाउिभ्राय ॥ हीिडिभुयाय ॥ निा
कणाय ॥ लगलाम्रायाय ॥ लल्लैभुरा
य ॥ उम्भवीनय ॥ भदकायाय ॥
विमेकय ॥ मैकनाभननाय ॥ ङिलैक
भूने ॥ ङिलैकमाय ॥ भउडूय ॥ भउडूय ॥
वणवलय ॥ नशउल मउय ॥ ह
उय ॥ थउभउज्ञय ॥ विमां थउय ॥
वीभुलाय ॥ वगउगुय ॥ भाग
य ॥ भगभने ॥ आयाय ॥ बुद्ध ॥

विष्णवे । भूतपालकंभाय । दंभ
गर्भाय । यभाय । वरमे । विष्टरे । श्रं
भृत्ये । संदेहे । मधुसूदनाय । कलम
[illegible]वर्णभने । भवान्वर्णभने । म
[illegible]गर्भाय ॥ [illegible] । कृदि
[illegible]य । [illegible]वरूपाय । [illegible]
लयाय । कृतपर्याय । कृ[illegible]य ।
वनेश्वराय । अहं[illegible]ने । योग वि
दे । [illegible]य । [illegible]य । [illegible]
[illegible]य । देवनायकाय । देवस्तुय ।
देवाभिष्टुताय । विश्वपावनाय । वि
मानस्थाय । [illegible] कृताय । [illegible]

लि
म
७०

[illegible]नाय ॥ नि[illegible]य ॥ निरहंकृता
य ॥ निर्द्वंद्वनाय ॥ निष्प्रपंचाय ॥
[illegible] ॥ [illegible]य ॥ [illegible]य भव
[illegible] [illegible]कृताय ॥ [illegible]य ॥
भक्तानुप्रिय ॥ [illegible]य ॥
[illegible]य ॥ [illegible] ॥ [illegible]य ॥ [illegible]
[illegible]वाय ॥ [illegible]नाय ॥ भ
[illegible]य ॥ [illegible] ॥ [illegible]य । [illegible]
[illegible]य ॥ [illegible]य ॥ [illegible]
नमय ॥ [illegible]य ॥ [illegible]य ॥
य ॥ [illegible] ॥ [illegible]य । [illegible]
की[illegible]गमाय [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]

१०

नैककालतै । भवीरूप । भवापाय ।
प्रभृत्य । भद्रोत्ताय । कमितनिल
य । कमभकृ गौणय । चकणश्री
दिवचनाय । पपाक्तिरूप । भवम
ण्य । विलघुण्य । भववन्दनाय ।
शुभदभव विसृमृत्य । प्रउभृय ।
यंतोणरूप । वन्दमानपूजय ।
वलवत्तबनाय । सुउधृकन्याय ।
सुदिमदकवतुव । भनेकतत्तव
लनाय । भिवाच्छनाय । माच
छन्नाय । भमालिभाय । कुम्भय ।
मि कुद्धितउ । कुतिघृयणय । धक
म याय । छउकयकुंय ॥ ॥
०१

कलमुनिने ॥ कलणनिपाये ॥ भद्र
रूप ॥ भदष्टपिने ॥ डमृमतिपा
यण्य ॥ पाञ्जवाद्रिवगव य ॥ भि
त्रमुर्भमगाय ॥ वनिविण
लमृदिल ॥ निभूलकृ कलक
हउ ॥ भचवछुणे ॥ भदुभुये ॥
मडुध्वाय ॥ विधूनामनये ॥ मि
पभिने ॥ मपपतिमि ॥ सुलिन ॥
लपिने ॥ भगुदिउ ॥ तुलिन ॥
भापलकवम ॥ पभमेलिने ॥ भं
भगभगमय ॥ वणतृभवशिउ ॥
भिंजय ॥ तुलेननंव ॥ भदम
नुये ॥ वभद्रयाय ॥ भमयाम्न ॥
वीरवउ ॥ कदकैविणाय ॥ ॥

कृ॰विदे । अनन्ते । भवाय भवनीश्व
राय । चण्डभाण्य । ... ध्वजाय । अ
घोरास्त्रियकन्नाथाय । भावसमाश्रय ।
सर्वाय । सर्व॰ ब्रह्माण्डगाय । कृ
लकर्त्रे य । कलरूपाय । कङ्काल
उदस्थक्वाय । अव्देशस्थभाग्य । भग
नेत्रे । विरूपलक्षणाय । विशालाक्षलाय ।
स्वाम्यये । उमान्वये । पवित्राय । निरा
कुलाय । मिहिकाय । मिहिभावना
य । मिलिन्दिने । बृहत्पिकुलाय । भद
कुलाय । एक ह्लीरिके । निराकु
सि लकुलाय । नानायोगप्रियाय । नि
म र्लेपाय ॥ निष्प्रपञ्चलाय ॥
७७

देविमङ्गल मण्डपाय । यज्ञदेवे । ल
यदाय । येतुय । युगपग्रन्थबुक
य । योगिनीमङ्क मण्डकुय । युगलक्ष
ग्रुफिलुय । यन्त्रय । यके कौि
लकय । यकपालात कुपाय य ।
राभाय । रभालाली लिय । रकृ
नव । नलोभियाय । रक्भोल य ।
रत्नउन्य । रक्भोतात्रभूय ॥
रकं कुभलनिने । रक्तकूय । रत्न
त्रुभरकक्षणय । रक्ष्मलमव
कुवे । रक्षपाङकमञ्जिरय । रोषि
लीला मूयाय ॥ रमाकराय ॥

रडिमस उकाय। रकान्त कारडुमक
य। लक्ष्मीरुद्धिताय। लवाय। लक्ष्मी
कान्ते। लाडदभिने। लभकडुये
लेकहडे। लेक उकदाय। लाभ
वल्लभाय। लेभमाय। वलिणाय।
लिङ्गभुराय। लिङ्गनन्दाय। लील
कुशिल। ललधुमाय। लक्ष्मीवड।
लेकविद्वभिने। डुड़े भि लेकाग
मकुमाय। ७॥ ध्यायेद्देवं
हृं डिभिरडुभदं। चन्द्रलिङ्गयुक
→ मं। भुलं भक्ता उभ्युक्त कलधम
९० नगाडवामकेडत्रिमेव। यदमवं.